Literacy for a Billion

Movie: Razia Sultan
Year: 1983

Song: Aye Dil-E-Nadan
Lyricist: Jan Nisar Akhtar

ऐ दिले नादाँ ऐ दिले नादाँ
ऐ दिले नादाँ
आरज़ू क्या है जुस्तजू क्या है

ऐ दिले नादाँ ऐ दिले नादाँ
आरज़ू क्या है जुस्तजू क्या है
ऐ दिले नादाँ

हम भटकते हैं
क्यों भटकते हैं
दश्तो सहराँ में
ऐसा लगता है
मौज प्यासी है
अपने दरिया में

कैसी उलझन है
क्यों ये उलझन है
एक साया सा
रूबरू क्या है

ऐ दिले नादाँ ऐ दिले नादाँ
आरज़ू क्या है जुस्तजू क्या है

क्या क़यामत है
क्या मुसीबत है
कह नहीं सकते
किसका अरमाँ है

ज़िन्दगी जैसे खोई खोई है
हैराँ हैराँ है
ये ज़मीं चुप है
आसमाँ चुप है

फिर ये धड़कन सी
चारसू क्या है
ऐ दिले नादाँ ऐ दिले नादाँ
ऐ दिले नादाँ
ऐसी राहों में कितने काँटें हैं
आरज़ुओं ने आरज़ुओं ने
हर किसी दिल को दर्द बाँटे हैं
कितने घायल हैं कितने बिस्मिल हैं
इस खुदाई में एक तू क्या है
एक तू क्या है एक तू क्या है
ऐ दिले नादाँ ऐ दिले नादाँ

*Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.*

*PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.*